नेशनल गेम्स गुजरात' समापन समारोह में माननीय अध्यक्ष, लोक सभा का सम्बोधन

———

भारत माता की जय।'

गुजरात की ऐतिहासिक नगरी ताप्ती नदी की यह धरती, डायमंड और वस्त्र की धरती, आज इस खेल महाकुंभ जिसका उद्घाटन देश के माननीय प्रधान मंत्री जी ने किया, आज उसका समापन भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी द्वारा किया जा रहा है। मैं सभी लोगों से कहूंगा कि एक बार ताली बजाकर उनका अभिनंदन, स्वागत करें।

इस राज्य के महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत सिंह जी, इस राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र भाई पटेल जी, केंद्र सरकार में मंत्री यशोदाबेन जी, इस राज्य के मंत्री हर्ष जी, जीतू भाई, अन्य मंत्रिगण और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, लोक सभा में हमारे साथी श्री सी.आर. पाटिल जी तथा मंच पर विराजे सभी लोगों का हार्दिक अभिनंदन करता हूं।

36वें राष्ट्रीय खेल के अंदर देश के अलग-अलग राज्यों से आए मेरे खिलाड़ी साथियो, आपने इस समापन अवसर पर देखा होगा कि राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में जो वाइब्रेंट गुजरात है, उसने देश के आर्थिक, सामाजिक बदलाव में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और उस गुजरात की भूमि पर आपको भी मौका मिला होगा। मैं कह सकता हूं कि देश ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व का एक बहतरीन स्टेडियम जो माननीय नरेन्द्र मोदी जी के नाम से है, जिसके उद्घाटन के अंदर जिस गर्मजोशी के साथ आपने उनका अभिनंदन और स्वागत किया तथा माननीय प्रधान मंत्री जी का जिस तरीके से खेल के प्रति खिलाड़ियों से व्यक्तिगत लगाव है, जिसके कारण आज भारत के खिलाड़ी आज विश्व के अंदर नेतृत्व कर रहे हैं। मैं यहां राज्यों से आए सभी प्रतिभागियों का बहुत-बहुत अभिनंदन करता हूं।

खिलाड़ी साथियो, खेल के मैदान में खिलाड़ियों को नई ऊर्जा, नई शक्ति मिलती है और यही ऊर्जा, यही शक्ति उनके जीवन में नए कार्य करने की प्रेरणा देती है इसीलिए 'स्पोर्ट्समैन स्पिरिट' की बात कही जाती है। यह समाज के हर जीवन में एक उदाहरण है कि चाहे खेल के मैदान में हो, चाहे शिक्षा में हो, व्यापार में हो, हर क्षेत्र में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। लेकिन, खिलाड़ी कभी हारता नहीं है। खिलाड़ी हारने के बाद खेल के मैदान में नए

आत्मविश्वास के साथ दोबारा शुरूआत करता है। आज समापन के अवसर पर आप प्रतिभागियों में से कुछ खिलाड़ियों ने मैडल जीता होगा और कुछ प्रतिस्पर्धा में पिछड़ गए होंगे। लेकिन, आपका आत्मविश्वास, आपका जुनून, आपकी कार्य करने की क्षमता के कारण आने वाले समय में ऊँचे आत्मविश्वास के साथ कि अगली बार गेम्स में 'मैं' ही मैडल जीतूंगा, इस लक्ष्य के साथ आपको जाने की आवश्यकता है। मुझे खुशी है कि जिस तरीके से माननीय प्रधान मंत्री जी ने खेल को बढ़ाने के लिए और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए पूरे देश में एक वातावरण बनाया है। 'खेलो इंडिया' हो या 'फिटनेस इंडिया' हो और कई माध्यमों से दूर-दराज के गांवों में भी हमारे परम्परागत खेलों को बढ़ाकर देश और दुनिया में हमारे खिलाड़ियों ने परम्परागत खेलों को भी और नए आधुनिक खेलों में भी अपनी नेतृत्व क्षमता को बढ़ाया है। मुझे आशा है कि भारत का नौजवान खिलाड़ी जो यहां नेशनल गेम्स में आया है, जिन्होंने पुरानी नेशनल गेम्स के कई रिकार्ड तोड़े हैं, आने वाले समय में विश्व के अंदर भारत के तिरंगे को सबसे ऊंचा उठाएगा और आने वाले समय में जब हमारी आजादी के सौ साल होंगे, दुनिया के अंदर हर क्षेत्र में हमारे खिलाड़ी मैडल लेकर भारत के गौरव और सम्मान को बढ़ाएंगे।

मैं पुन: आप सभी खिलाड़ियों का बहुत-बहुत हार्दिक अभिनंदन करता हूं। बड़े आत्मविश्वास के साथ, नए लक्ष्य के साथ आपको चलना है और यहां जिन्हें पराजय मिली है, उन्हें आगे जीत के लक्ष्य को लेकर चलना है। आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं और बहुत-बहुत बधाई।